

नेपाल की राजधानी काठमांडू में संपन्न हुई इंडो नेपाल एजुकेशनल समित।

नेपाल की राजधानी काठमाण्डू में सम्पन्न हुई इण्डो-नेपाल एजुकेशनल समिट

कृषि शिक्षा व शोध सहयोग पर दिया गया जोर



स्पष्ट आवाज

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज बकेवर के पादप रोग विज्ञान विभाग के संयोजक डॉ. मनोज कुमार यादव ने इण्डो-नेपाल एजुकेशनल समिट 2026 में प्रतिभाग करते हुए भारत-नेपाल के बीच उच्च शिक्षा और कृषि अनुसंधान में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। यह दो दिवसीय समिट छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, लिंकन एकेडमी मैक्सवे इंटरनेशनल तथा संवृद्धि

एजुकेशनल कंसल्टेंसी प्रा.लि. नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। डॉ. यादव ने अपने व्याख्यान में कृषि शिक्षा के उन्नयन, साझा शोध नीति और दोनों देशों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत-नेपाल के संयुक्त प्रयास से रोग प्रतिरोधी, उन्नत एवं कीट प्रतिरोधी फसल किस्मों का विकास संभव होगा। साथ ही प्राकृतिक खेती, एकीकृत रोग प्रबंधन और मशरूम शोध जैसे विषयों पर भी विशेष चर्चा की गई। समिट में

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में 23 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस दौरान दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी, जिससे छात्रों को भविष्य में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और शोध कार्यों का लाभ मिलेगा। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. एस.एन. चौधरी ने सीएसजेएम विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अन्य वक्ताओं ने भी भारत-नेपाल के सांस्कृतिक, धार्मिक और शैक्षिक संबंधों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। समिट में विभिन्न महाविद्यालयों के प्रोफेसर्स एवं शिक्षाविदों ने अर्थशास्त्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बौद्ध दर्शन और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए, जिससे दोनों देशों के बीच ज्ञान और अनुसंधान का आदान-प्रदान और मजबूत होने की उम्मीद जताई गई।

नेपाल की राजधानी काठमांडू में संपन्न हुई इंडो नेपाल एजुकेशनल समित।

नेपाल की राजधानी काठमाण्डू में सम्पन्न हुई इण्डो-नेपाल एजुकेशनल समिट

कृषि शिक्षा व शोध सहयोग पर दिया गया जोर



स्पष्ट आवाज

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज बकेवर के पादप रोग विज्ञान विभाग के संयोजक डॉ. मनोज कुमार यादव ने इण्डो-नेपाल एजुकेशनल समिट 2026 में प्रतिभाग करते हुए भारत-नेपाल के बीच उच्च शिक्षा और कृषि अनुसंधान में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। यह दो दिवसीय समिट छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, लिंकन एकेडमी मैक्सवे इंटरनेशनल तथा संवृद्धि

एजुकेशनल कंसल्टेंसी प्रा.लि. नेपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। डॉ. यादव ने अपने व्याख्यान में कृषि शिक्षा के उन्नयन, साझा शोध नीति और दोनों देशों के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत-नेपाल के संयुक्त प्रयास से रोग प्रतिरोधी, उन्नत एवं कीट प्रतिरोधी फसल किस्मों का विकास संभव होगा। साथ ही प्राकृतिक खेती, एकीकृत रोग प्रबंधन और मशरूम शोध जैसे विषयों पर भी विशेष चर्चा की गई। समिट में

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी के नेतृत्व में 23 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस दौरान दोनों देशों के विश्वविद्यालयों के बीच शैक्षिक, सांस्कृतिक, वैज्ञानिक और तकनीकी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी, जिससे छात्रों को भविष्य में विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों और शोध कार्यों का लाभ मिलेगा। त्रिभुवन विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ. एस.एन. चौधरी ने सीएसजेएम विश्वविद्यालय के कार्यों की सराहना करते हुए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। अन्य वक्ताओं ने भी भारत-नेपाल के सांस्कृतिक, धार्मिक और शैक्षिक संबंधों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। समिट में विभिन्न महाविद्यालयों के प्रोफेसर्स एवं शिक्षाविदों ने अर्थशास्त्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बौद्ध दर्शन और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर अपने विचार साझा किए, जिससे दोनों देशों के बीच ज्ञान और अनुसंधान का आदान-प्रदान और मजबूत होने की उम्मीद जताई गई।